बिहार सरकार
उद्योग विभाग,
हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय

पत्रांक ..... /पटना, दिनांक ..... /2018

सं0सं0–ह0क0(13)योजना–10 / 2017

प्रेषक,

निदेशक,
हस्तकरघा एवं रेशम,
बिहार, पटना।

सेवा में,

महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, भागलपुर / बांका / सीवान / मधुबनी / पटना / नालन्दा / औरंगाबाद / पं0 चम्पारण / खगड़िया / कैमूर।
उप विकास पदा0(वस्त्र), भागलपुर / गया।

विषयः– वित्तीय वर्ष 2016–17 के जनवरी से मार्च 2017 एवं मार्च 2017 में अधिकांश राशि का व्यय करने का कारण प्रतिवेदित करने के संबंध में।

प्रसंगः–उप महालेखाकार (प्रशासन), महालेखाकार (लेखा परीक्षा), कार्यालय, बिहार, पटना का पत्रांक–CASS Cell/73/2017-18/127 दि0–25.01.2018, वित्त विभाग का पत्र सं0–152 दि0–01.02.2018 एवं विभागीय ज्ञापांक–1449 दि0–03.04.2018

महाशय,

उपर्युक्त विषयक महालेखाकार (लेखा परीक्षा), बिहार का कार्यालय एवं सचिव (व्यय) वित्त विभाग, बिहार, पटना के प्रासंगिक पत्र छाया प्रति संलग्न करते हुए कहना है कि वित्तीय वर्ष 2016–17 के अंत में (जनवरी, से मार्च 2017 में) अधिकांश व्यय करते हुए कुल व्यय 43.39 प्रतिशत किया गया है। इसमें भी 49.07 प्रतिशत व्यय माह मार्च 2017 में किया गया है। अंतिम माह में किये गये इस अधिकांश व्यय के कारण को स्पष्ट करने का अनुरोध वित्त विभाग द्वारा किया गया है।

अतः अनुरोध है कि एक सप्ताह के अन्दर वित्तीय वर्ष 2016–17 के जनवरी से मार्च 2017 एवं मार्च 2017 में किये गये व्यय के कारणों का स्पष्ट प्रतिवेदन निदेशालय को उपलब्ध कराई जाय ताकि प्रतिवेदन विभाग को भेजी जा सके।

विश्वासभाजन

ह0 / –
निदेशक,
हस्तकरघा एवं रेशम,
बिहार, पटना।

ज्ञापांक–..... पटना, दिनांक–.....
प्रतिलिपि– उप उद्योग निदेशक, उद्योग विभाग के पत्रांक–1449 दि0–03.04.2018 के संबंध में अनुपलनार्थ।

ह0 / –
निदेशक,
हस्तकरघा एवं रेशम,
बिहार, पटना।

ज्ञापांक–769 पटना, दिनांक–27.4.18
प्रतिलिपि– आई0टी0 मैनेजर, उद्योग विभाग को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

26.04.18

निदेशक,
हस्तकरघा एवं रेशम,
बिहार, पटना।